

374<sup>वाँ</sup>

सफलतम अंक

वर्ष 32

द्वितीय अंक

सितम्बर 2009

इस अंक में

# प्रतियोगिता दर्पण

हिन्दी मासिक

- |                                                                                                                |                                                                                                                   |
|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| 221 सम्पादकीय                                                                                                  | 320 (iii) आन्धा बैंक (पी.ओ.) परीक्षा, 2009                                                                        |
| 222 राष्ट्रीय घटनाक्रम                                                                                         | 324 (iv) गुडगाँव ग्रामीण बैंक ऑफीसर्स परीक्षा, 2009                                                               |
| 226 अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम                                                                                   | 327 उद्योग व्यापार जगत्                                                                                           |
| 231 आर्थिक वाणिज्यिक परिदृश्य                                                                                  | 329 ऐच्छिक विषय—(i) अर्थशास्त्र—सिविल सर्विसेज (प्रा.) परीक्षा, 2009                                              |
| 235 नवीनतम सामान्य ज्ञान                                                                                       | 339 (ii) भूगोल—उ.प्र. पी.सी.एस. सम्मिलित राज्य/अवर अधीनस्थ सेवा विशेष चयन (प्रा.) परीक्षा, 2008                   |
| 243 खेलकूद                                                                                                     | 347 (iii) राजनीति विज्ञान—यू.जी.सी. नेट परीक्षा, जून 2009                                                         |
| 248 राज्य समाचार                                                                                               | 348 (iv) विधि—मध्य प्रदेश व्यवहार न्यायाधीश परीक्षा, 2007                                                         |
| 253 रोजगार समाचार                                                                                              | 355 सामान्य जानकारी/विविध तथ्य—(i) आर्थिक कार्य वित्तीय सेवाएं एवं सामाजिक क्षेत्र विकास की वर्तमान स्थिति—एक झलक |
| 255 विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी                                                                                   | 358 (ii) वाणिज्य और उद्योग क्षेत्र में उपलब्धियाँ एवं नई पहलें—एक परिदृश्य                                        |
| 257 अनुप्रेरक युवा प्रतिभाएं                                                                                   | 361 सामान्य बुद्धि—(i) एस.एस.सी. सांख्यिकीय अन्वेषक ग्रेड-III परीक्षा, 2008                                       |
| 262 स्मरणीय तथ्य                                                                                               | 365 (ii) यूनाइटेड कॉमर्शियल बैंक (पी.ओ.) परीक्षा, 2009                                                            |
| 264 विश्व परिदृश्य                                                                                             | 374 गणितीय योग्यता परीक्षा—(i) आई.ए.एम. (कोलकाता) होटल मैनेजमेण्ट परीक्षा, 2009                                   |
| 267 आई.ए.एस. सक्सेस प्लानर : सिविल सर्विसेज परीक्षा                                                            | 378 (ii) यूनाइटेड बैंक ऑफ इण्डिया (पी.ओ.) परीक्षा, 2009                                                           |
| 274 आर्थिक लेख—काले धन की वापसी क्या सम्भव है?                                                                 | 384 क्या आप जानते हैं ?                                                                                           |
| 277 राजनीति विज्ञान लेख—(i) भारत में राजनीतिक दल                                                               | 385 अपना ज्ञान बढ़ाइए                                                                                             |
| 282 (ii) नकारात्मक मतदान का अधिकार                                                                             | 386 प्रश्न आपके उत्तर हमारे                                                                                       |
| 283 (iii) भारत की चुनाव प्रणाली में बदलाव की आवश्यकता                                                          | 387 प्रथम पुरस्कृत निबन्ध—न्याय ही सभी संस्थाओं के स्थायित्व की आधारशिला है                                       |
| 286 अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति लेख—उत्तरी कोरिया का दुस्साहस : नाभिकीय परीक्षण                                    | 389 निबन्ध प्रतियोगिता क्रमांक—364 का परिणाम                                                                      |
| 288 सामाजिक लेख—भारत में आरक्षण नीति का सिद्धान्त                                                              | 390 सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता क्रमांक—134                                                                         |
| 290 समसामयिक लेख—भारत विरोध पर आधारित पाकिस्तान की प्रतिस्पर्धी विदेश नीति : कश्मीर समस्या के परिप्रेक्ष्य में | 393 English—Canara Bank (P.O.) Exam., 2009 वार्षिकी                                                               |
| 293 कैरियर लेख—सिविल सेवा परीक्षा : कैसे पाएं मंजिल                                                            | 397 नवीनतम सामान्य ज्ञान                                                                                          |
| 297 सूचना प्रौद्योगिकी लेख—ग्रामीण विकास में ई-प्रशासन                                                         | 410 खेलकूद                                                                                                        |
| 300 समसामयिक सामरिक लेख—भारत में आतंकवाद से मुकाबले के लिए कानूनी प्रावधान कितने प्रभावी ?                     |                                                                                                                   |
| 304 सार संग्रह                                                                                                 |                                                                                                                   |
| 308 हिन्दी की साहित्यिक-सांस्कृतिक पत्रिकाएं—आगामी राज्य एवं संघ लोक सेवा आयोग परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न    |                                                                                                                   |
| 310 वस्तुनिष्ठ सामान्य ज्ञान—(i) राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा, 2009                                          |                                                                                                                   |
| 316 (ii) यूनाइटेड बैंक ऑफ इण्डिया (पी.ओ.) परीक्षा, 2009                                                        |                                                                                                                   |

प्रतियोगिता दर्पण में प्रकाशित किसी भी सामग्री अथवा चित्र के लिए सम्पादक की सहमति होना आवश्यक नहीं है. —सम्पादक

## सामाजिक समस्याओं के विरुद्ध संघर्ष कीजिए

हमारे देश में अशिक्षा तथा शिक्षा की कमी के अभिशाप ने अनेकानेक सामाजिक समस्याओं को जन्म दिया है, जिनमें मुख्यतः रूढ़ियाँ, अन्धविश्वास, जनसंख्या विस्फोट, बेरोजगारी, दहेज प्रथा, भ्रष्टाचार आदि हैं। इन सभी समस्याओं का कम-से-कम अस्सी प्रतिशत निराकरण शिक्षा प्रसार द्वारा किया जा सकता है। सरकारी अथवा शासकीय प्रयास इस दिशा में बहुत ही सीमित सफलता प्राप्त कर सके हैं। कारण है—जनसंख्या विस्फोट एवं सरकारी मशीनरी में व्याप्त भ्रष्टाचार। हमारा युवा वर्ग निरक्षरता की बीमारी से सहज ही जूझ सकता है। यदि प्रत्येक शिक्षित युवक और युवती एक-एक व्यक्ति को शिक्षित कर सके, तो यह बीमारी तथा उससे जुड़ी हुई अनेक समस्याओं का निराकरण सहज हो जाए।

“जीवन-मूल्यों को स्वीकार करना शिक्षा का उद्देश्य है।” यह कथन है—प्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉ. अलबर्ट आइन्सटाइन का। “सदाचार और निर्मल जीवन सच्ची शिक्षा का आधार है।” यह उपदेश है—पूज्य महात्मा गांधी का।

उक्त दोनों महापुरुषों के कथन का मंतव्य यही है कि पारस्परिक सम्बन्ध ज्ञान श्रेष्ठ शिक्षा का उद्देश्य होना चाहिए। क्या आपने कभी विचार किया है कि हम अपने जीवन को किस प्रकार लोकोपयोगी बना सकते हैं?

हमारे समाज में व्याप्त प्रमुख समस्याएं ये हैं—भेद-भावना, रूढ़ि एवं अन्धविश्वास, अनुशासनहीनता, भ्रष्टाचार, आतंकवाद, दहेज, जनसंख्या का विस्फोट अशिक्षा तथा साम्प्रदायिक दंगे। इन समस्याओं को हम वर्षों से भोगते और झेलते आ रहे हैं। प्रश्न यह है कि हम इन्हें इसी प्रकार झेलते रहेंगे अथवा इनके निवारण के लिए युवा-वर्ग कुछ करेगा अथवा इस काम को करने के लिए आकाश से फरिश्ते आएंगे ? विगत शत-सहस्र वर्षों से प्रचलित विभिन्न प्रकार की जाति-व्यवस्थाओं तथा शासन-पद्धतियों ने भारतीय समाज में अनेक प्रकार के श्रेणी-विभाजन को जन्म दिया है। फलतः अनेक प्रकार के भेदभाव हमारे जन-जीवन में प्रवेश कर गए हैं। इन भेदभावों ने जातिगत ऊँच-नीच की भावना, वर्गवाद, सम्प्रदायवाद, आदि कुप्रथाओं को जन्म दिया है। जाति-भावना केवल सवर्ण तक के वर्गों तक ही सीमित नहीं है। शूद्रों में भी अनेक वर्ग हैं। मुसलमानों ने भी शिया, सुन्नी, शेख, पठान, आदि अनेक वर्ग प्रचलित हैं। इसी के साथ प्रदेशगत भेद-भावना के आधार पर भारतवासी अपने को पंजाबी, बंगाली, मद्रासी, गुजराती, महाराष्ट्री, कश्मीरी, बिहारी आदि कहते हैं। तात्पर्य यह है कि हम अपने को भारतीय नहीं कहते हैं। हमारे युवा-वर्ग को यह बात गम्भीरतापूर्वक सोचनी चाहिए कि हम अपने को पहले भारत-वासी और बाद में और कुछ कहना किस